अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 29-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ, निर्जरा, बंध, मोक्ष–20

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

(**निर्जरा :** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–)

(क) तीन निर्मल भाव कौन-कौन से हैं? स्पष्ट करें।

(ख) मोहनीय कर्म में क्षयोपशम से कौन से आठ विशेष बोल उत्पन्न होते हैं?

(ग) भिक्षाचर्या–भिक्षाट को तप किन कारणों से कहा गया है?

(घ) ज्ञान विनय के कितने प्रकर हैं, नाम बतायें?

(ङ) चार ध्यान में से कितने व कौन-कौन से ध्यान पापाश्रव के हेतु हैं तथा इन्हें ध्यान की कोटि में क्यों रखा गया है?

(च) भाव व्युत्सर्ग किसे कहते हैं? इसके प्रकार के नाम बतायें।

(**बंध** : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–)

(छ) मोहनीय कर्म व उसके भेदों की जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति लिखें।

(ज) कर्म स्कन्ध का ग्रहण जीव किसी एक प्रदेश से करता है या सर्वात्मना करता है?

(झ) उत्तराध्ययन सूत्र, ठाणं सूत्र एवं हेमचन्द्रसूरि ने बंध को कौन से स्थन पर रखा है?

(**मोक्ष** : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–)

(ञ) ऊंचे लोक, नीचे लोक, तिरछे लोक व जलाशयों में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते हैं?

(ट) मोक्ष के अभिवचनों में शिव और सर्वदुःखप्रहीण का क्या अर्थ है?

(ठ) कर्म रहित जीव के गति कैसे मानी गई है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **निर्जरा**–अनाशतना विनय के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें। ***अथवा***
आश्रव, संवर और निर्जरा कौन-कौन से भाव हैं?

(ख) **बंध व मोक्ष**–सिद्ध करें कि बन्ध पुद्गल की पर्याय है। ***अथवा***
आचारांग सूत्र के अनुसार सिद्ध जीव के स्वरूप का वर्णन करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **निर्जरा**–अनशन के भेदों-प्रभेदों का वर्णन करें। ***अथवा***

प्रतिसंलीनता तप को परिभाषित करते हुए उसके भेदों-प्रभेदों का वर्णन करें।

(ख) **बंध और मोक्ष**–प्रदेश बंध का विवेचन करें। ***अथवा***

दसवैकालिक सूत्र एवं ठाणं सूत्र के अनुसार सिद्धि का क्रम बताएं।

अवबोध–(तप धर्म से बंध व विविध तक–30)

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 18

(क) भावशून्य क्रिया कहां होती है?

(ख) पांच भावों में सावद्य कितने, निरवद्य कितने हैं?

(ग) घाती कर्मों में देशघाती कितने हैं और सर्वघाती कितने?

(घ) आयुष्य कर्म बंध में काम आने वाले करण कौन से हैं? नाम बतायें।

(ङ) अपवर्तन किसे कहते हैं?

(च) तप का क्या महत्व है?

(छ) क्या मिथ्यात्वी की तपस्या संसार वृद्धि का कारण है?

(ज) पारिणामिक भाव के कितने प्रकार हैं?

(झ) शरीरगत अनुभूति कराने वाले कर्म पुद्गल कौन से हैं व उसकी कितनी प्रकृतियां हैं?

(ञ) कर्मों का अस्तित्व कौन से गुणस्थान तक है?

(ट) कषाय चतुष्क से किन आत्मिक गुणों का अभिघात (विनाश) होता है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए– 12

(क) रस परित्याग किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

(ख) क्या वीतराग में कर्मबंध होता है? वीतराग कौन होता है?

(ग) प्रायश्चित्त किसे कहते हैं, उसके कितने प्रकार हैं?

(घ) क्या तप के कई प्रकार हैं? क्या भौतिक अभिसिद्धि के लिए भी तपस्या की जाती है?

श्रावक-संबोध–20

प्र. 6 कोई चार पद्य पूरा करें– 12

(क) शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ ये पहले चक्रवर्ती बने, फिर तीर्थंकर बने वाला पद्य लिखें।

(ख) जैन आगमों में श्रावकों को साधु के अम्मायिक के समान बताया है, वो पद्य लिखें।

(ग) भगवान से प्रतिबोध पाकर शकडालपुत्र की नियतिवाद से आस्था निर्मूल हो गई, वो वद्य लिखें।

(घ) शील रक्षा वाला पद्य लिखें।

(ङ) पचांग प्रणति वाला पद्य लिखें।

(च) गौतम अपनी भूल को जानते ही उसका परिशोधन करने आनंद के पास आते हैं वा पद्य पूरा करें।

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) कौन से अनुप्रेक्षाओं के प्रयोग से संस्कार परिवर्तन का काम आसानी से हो सकता है?

(ख) 'आणाए मामगं धम्मं' का क्या अर्थ है?

(ग) श्रावक के गुणात्मक विशेषणों में से 'धर्मवृत्तिकर' एवं 'सहायानपेक्षी' का तात्पर्य क्या है?

(घ) गणधर गौतम के तीन प्रश्नों के उत्तर में भगवान महावीर ने कौन से तीन पद्यों का व्याकरण किया? उन पद्यों को क्या कहा जाता है?

(ङ) जैन संस्कार विधि में मुख्यतः कौन सी तीन बातों पर ध्यान दिया जाता है?

(च) स्थानांग सूत्र में साधु के कितने व कौन-कौन से निश्रास्थान बताये गये हैं?